

जियो आईपीओ के 3 दिन में 7 रिकॉर्ड



100 मिनट में भर गया पूरा इश्यू

01 करोड़ आवेदन और 30,213 करोड़ जुटाए

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क नई दिल्ली , 25 अक्टूबर. जियो प्लेटफॉर्मस के आईपीओ ने भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की जबरदस्त दिलचस्पी दर्ज की. 30,213 करोड़ रुपये के इस इश्यू को तीन करोड्बारी दिनों में 22.19 गुना सब्सक्रिप्शन मिला. आईपीओ ने आवेदन संख्या, इश्यू साइज और निवेशकों की मांग के मामले में सात बड़े रिकॉर्ड बनाए. जियो प्लेटफॉर्मस का आईपीओ एक करोड़ से अधिक व्यक्तिगत निवेशक आवेदन हासिल करने वाला पहला आईपीओ बताया गया है. इससे पहले यह रिकॉर्ड वारी एनर्जीज के पास था, जिसे करीब 97.3 लाख आवेदन मिले थे.

30,213 करोड़ रुपये के इश्यू साइज के साथ जियो का आईपीओ भारतीय कॉरपोरेट इतिहास का सबसे बड़ा इक्विटी इश्यू भी बना. इससे पहले यह रिकॉर्ड हुंडई मोटर इंडिया के नाम था. आईपीओ खुलने के करीब 100 मिनट के भीतर ही यह पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया. तीन दिन की बोली प्रक्रिया पूरी होने पर इसे कुल 22.19 गुना सब्सक्रिप्शन मिला. निवेशकों ने 19.75 करोड़ शेयरों के मुकाबले 438 करोड़ से अधिक शेयरों के लिए बोलियां लगाईं. संस्थागत

निवेशकों की श्रेणी में सबसे ज्यादा मांग रही. क्वालफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का हिस्सा 70.55 गुना सब्सक्राइब हुआ. गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 14 गुना और खुदरा निवेशकों की श्रेणी में 2.72 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज किया गया. आईपीओ के तहत 27 करोड़ नए शेयर जारी किए गए. इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, मेटा और गूगल की ओर से मौजूदा हिस्सेदारी बेचने का प्रस्ताव शामिल नहीं था. नए शेयर जारी होने से जुटाई गई राशि कंपनी को मिलती है, जबकि ऑफर फॉर सेल में शेयर बेचने वाले मौजूदा निवेशकों को रकम प्राप्त होती है.

मूल्यांकन और जोखिमों का आकलन जरूरी 1,119 रुपये प्रति शेयर के ऊपरी मूल्य बैंड के आधार पर जियो प्लेटफॉर्मस का अनुमानित बाजार पूंजीकरण करीब 10.3 लाख करोड़ रुपये बताया गया. हालांकि, वास्तविक बाजार पूंजीकरण और शेयर का प्रदर्शन लिस्टिंग के बाद बाजार भाव पर निर्भर करेगा. आईपीओ में भारी मांग निवेशकों की दिलचस्पी दिखाती है, लेकिन इससे भनिवेश से पहले कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन, मूल्यांकन और जोखिमों का आकलन जरूरी है.

ट्रेडिंग टर्मिनल के खेल पर सेबी का शिकंजा

क्रिए के खाते से ट्रेडिंग का खेल होगा बंद



नवभारत न्यूज़ नेटवर्क नई दिल्ली , 25 अक्टूबर. शेयर बाजार में ट्रेडिंग टर्मिनल के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) नया नियामकीय ढांचा लाने की तैयारी कर रहा है. इसके तहत ब्रोकरों की गतिविधियों पर निगरानी मजबूत करने और छोटे-बड़े ब्रोकरों के लिए उनके जोखिम के हिसाब से अलग नियम बनाने पर विचार किया जा रहा है. शॉर्ट सेलिंग,

कॉरपोरेट बॉन्ड, बायबैक और ऑफर फॉर सेल की प्रक्रियाओं की भी समीक्षा की जा रही है. कुछ ब्रोकर अपने ट्रेडिंग टर्मिनल के जरिए बाहरी ट्रेडरों को सौदे करने की सुविधा दे रहे थे. इसके बदले फीस या मुनाफे में हिस्सेदारी लेने की बात भी सामने आई है. ऐसी व्यवस्था से मार्जिन और अन्य नियामकीय शर्तों को दरकिनार करने का जोखिम रहता है.

नवंबर माह में 16 दिन बैंकों में काम नहीं होगा

नई दिल्ली. नवंबर में बैंक से जुड़े जरूरी काम करने की योजना बना रहे लोगों को छुट्टियों का कैलेंडर देखकर ही शाखा जाना चाहिए. उपलब्ध जानकारी के अनुसार, महीने में रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा अलग-अलग राज्यों में त्योहारों और स्थानीय अवसरों के कारण बैंक बंद रहेंगे. कुल 16 दिन बैंक बंद रहने की बात कही गई है. हालांकि, इनमें से सभी छुट्टियां देशभर के बैंकों पर लागू नहीं होंगी. नवंबर में 14 नवंबर को महीने का दूसरा शनिवार और 28 नवंबर को चौथा शनिवार है. इन दोनों तारीखों पर देशभर में बैंक शाखाएं बंद रहेंगी. इसके अलावा रविवार को भी नियमित साप्ताहिक अवकाश रहेगा.

8वें वेतन में लीव इनकैशमेंट बढ़ाने की मांग

450 दिन करने का प्रस्ताव 300 से बढ़ाकर 450 दिन करने की मांग

150 दिनों के बराबर मिल सकता है भुगतान ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस ने वेतन आयोग के समक्ष यह मांग रखी है. इसका उद्देश्य कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के समय ज्यादा एकमुश्त राशि उपलब्ध कराना है. लीव इनकैशमेंट का मतलब कर्मचारी की पात्र और जमा अर्जित छुट्टियों के बदले नकद भुगतान से है. नौकरी के दौरान इस्तेमाल नहीं की गई पात्र छुट्टियों का भुगतान सेवा नियमों के तहत किया जाता है. रिटायरमेंट के समय मिलने वाली राशि कर्मचारी के छुट्टी बैलेंस, वेतन और लागू नियमों पर निर्भर करती है. यदि अधिकतम सीमा 300 से बढ़कर 450 दिन होती है, तो पात्र कर्मचारी को अतिरिक्त 150 दिनों के बराबर भुगतान मिल सकता है.



सेवानिवृत्ति के समय छुट्टियों के बदले अधिक नकद भुगतान मिल सकता है. हालांकि, अभी इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है. वर्तमान व्यवस्था के तहत पात्र कर्मचारियों को रिटायरमेंट के समय अधिकतम

300 दिनों की अर्जित छुट्टियों के बदले नकद भुगतान मिल सकता है. कर्मचारी संगठनों की मांग है कि इस सीमा में 150 दिन की बढ़ोतरी की जाए. इससे छुट्टियों के बदले भुगतान की अधिकतम अवधि 450 दिन हो जाएगी.

समाचार विशेष

दक्षिण में अलायंस बनाना चाहती है भाजपा तमिलनाडु और तेलंगाना में नया समीकरण बनाने की कोशिश

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर. भारतीय जनता पार्टी ने देश के पूर्वी, पश्चिमी और उत्तरी हिस्से में अपना आधिपत्य जमा लिया है. एकाध रा'यों के अपवाद को छोड़ दें तो हर रा'य में भाजपा या एनडीए की सरकार है. पूर्वी भारत में पश्चिम बंगाल का किला भी भाजपा ने फतह कर लिया है. पश्चिम में महाराष्ट्र में लगातार तीन बार जीतने से भाजपा बहुत मजबूती से स्थापित हुई थी. इसी तरह उत्तर प्रदेश में वह लगातार जीत रही है. एक हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर को छोड़ कर पूरे उत्तर भारत में भाजपा का



शासन है. इतनी सफलता के बावजूद दक्षिण भारत में भाजपा पैर नहीं जमा पा रही है. वहां पांच में से चार रा'यों में कांग्रेस और सहयोगियों की सरकार है, जबकि एक रा'य में टीडीपी की सरकार है, जिसमें भाजपा छोटी सहयोगी पार्टी है.

भाजपा के जानकार नेताओं का कहना है कि पार्टी दक्षिण भारत में अपना आधार बढ़ाने के लिए नए सिरे से गठबंधन पर विचार कर रही है. गौरतलब है कि भाजपा भले बहुत मजबूत नहीं हुई है लेकिन दक्षिण भारत के सभी रा'यों में उसका वोट आधार बढ़ा है. आंध्र प्रदेश में वह टीडीपी और जन सेना पार्टी के साथ है और कर्नाटक में जेडीएस से उसका तालमेल है. जानकार सूत्रों का कहना है कि दो बड़े रा'यों तमिलनाडु और तेलंगाना में पार्टी नया समीकरण बनाने की कोशिश कर रही है.

चुनाव की आहट

टिकट की जंग और दल-बदल से गरमाई राजनीति

चुनाव से पहले शामिलों में सियासी पारा हाई

शामली, 25 अक्टूबर. विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही पश्चिमी यूपी की राजनीति में अहम शामिली जिले में सियासी पारा चढ़ गया है. सियासी दलों के बीच लगातार हो रहे दल बदल और टिकट की जंग ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है. एक तरफ जहां भाजपा, सपा और रालोद में मजबूत चेहरों को अपने पाले में लाने और टिकट की होड़ मची है, वहीं दूसरी ओर बसपा की चुप्पी ने तमाम राजनीतिक विश्लेषकों को



पसोपेश में डाल दिया है. जिले की शानों प्रमुख सीटों थानाभवन, तोमौली और कैराना के दावेदारों की लंबी फेहरिस्त ने पार्टियों के शीर्ष नेतृत्व को नौद उड़ा दी है.

थानाभवन सीट पर भाजपा और रालोद के बीच खींचतान है. भाजपा से पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा क्षेत्र में लगातार पसीना बहा रहे हैं. तो वहीं पूर्व चेयरमैन संजय शर्मा भी सक्रियता के साथ टिकट के लिए ताल ठोक रहे हैं. दूसरी ओर, गठबंधन सहयोगी रालोद से विधायक अशरफ अली खान दोबारा मैदान में उतरने के लिए प्रबल दावेदार हैं, लेकिन पूर्व विधायक राव अब्दुल वारिस को अंदरूनी दावेदारी ने मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है. रालोद

भाजपा खेमे में भाजपा एमएलसी वीरेंद्र सिंह के पुत्र मनीष चौहान, मुगाका सिंह और अनिल चौहान के बीच टिकट पाने के लिए रस्साकसी चल रही है. वहीं बसपा खेमे में छाई खामोशी ने सबको हैरान कर रखा है. बसपा से अभी तक कोई बड़ा चेहरा सामने नहीं आया है. जानकारों का मानना है कि बसपा ऐन वक्त पर समीकरण बिगाड़ सकती है. थानाभवन पर सपा से राहुल सैनी, पूर्व जिप सदस्य एवं हाल ही रालोद छोड़कर आए पूर्व जिलाध्यक्ष मुकेश सैनी, डा. शेर सिंह राणा, वतन सैनी की दावेदारी भी है. हिंदू प्रत्याशी उतारेगा या मुस्लिम चेहरा बनाए रखेगा, इस पर भी मंथन जारी है. शामली सीट पर भी समीकरण तेजी से बदले हैं. सपा में करीब एक साल पहले शामिल हुए पूर्व विधायक राजेश्वर बंसल, उनके बेटे अखिल बंसल व वरिष्ठ सपा नेत्री पूर्व चेयरमैन दीपा पंवार मजबूत दावेदारी जता रहे थे, लेकिन हाल ही में भाजपा छोड़कर आए हरबीर मलिक की एंट्री से यहां कांटे की टक्कर तय मानी जा रही है.

कच्चे तेल का दाम 116 डॉलर के पार

नई दिल्ली. अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 116 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है. देश के प्रमुख शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव दर्ज नहीं किया गया है. हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें आगे ईंधन की लागत पर दबाव डाल सकती हैं. दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और पटना समेत प्रमुख शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर हैं. अलग-अलग शहरों में दरों का अंतर स्थानीय टैक्स और अन्य लागतों की वजह से बना हुआ है. तेल की कीमतों में 25 अक्टूबर 2026 को कोई बदलाव नहीं हुआ. अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं.

भारतीय बास्केट का तेल 121 डॉलर पार

ब्रेंट की हिस्सेदारी बढ़ने से कीमत पर असर रुस से खरीद भी बदलती है लागत



नवभारत न्यूज़ नेटवर्क नई दिल्ली, 25 अक्टूबर. भारत के कच्चे तेल के आयात की लागत कई कारकों से तय होती है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत, ओमान-दुबई ग्रेड का भाव, माल दुलाई, बीमा और रुपये-डॉलर की विनिमय दर इसमें अहम भूमिका निभाते हैं. उपलब्ध रिपोर्ट के मुताबिक, 24 अक्टूबर की शाम ब्रेंट क्रूड करीब 116 डॉलर प्रति बैरल पर था, जबकि अक्टूबर में भारतीय बास्केट की औसत कीमत 121

ब्रेंट अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का प्रमुख मूल्य मानक है. इसकी कीमत में तेजी आने पर भारतीय बास्केट का औसत भाव भी बढ़ सकता है. वहीं, ओमान-दुबई ग्रेड की कीमतों में बदलाव का भी असर पड़ता है. हालांकि, ब्रेंट हर समय सबसे महंगा हो, यह जरूरी नहीं है. कीमतों का अंतर बाजार की परिस्थितियों और अलग-अलग ग्रेड की मांग-आपूर्ति पर निर्भर करता है.

डॉलर प्रति बैरल बताई गई. भारतीय बास्केट कोई एक विशेष प्रकार का कच्चा तेल नहीं है. यह भारत की ओर से आयात किए जाने वाले कच्चे तेल की कीमत का प्रतिनिधि मानक है. इसमें मुख्य रूप से ब्रेंट और ओमान-दुबई मानकों से जुड़े क्रूड की

कीमतों को शामिल किया जाता है. अक्टूबर में भारतीय बास्केट में ब्रेंट की हिस्सेदारी 65.27 फीसदी और ओमान-दुबई ग्रेड की 34.73 फीसदी रही. दोनों की कीमतों में बदलाव का असर बास्केट के औसत भाव पर पड़ता है.

सेंसेक्स 2.15%, निफ्टी 2.36% गिरा

शेयर बाजार में बिकवाली के बीच 5 कंपनियों के शेयर चमके 05 शेयरों में जोरदार तेजी



नवभारत न्यूज़ नेटवर्क नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। शेयर बाजार में बीते सप्ताह भारी गिरावट के बीच कुछ शेयरों ने निवेशकों को चौंका दिया. सेंसेक्स और निफ्टी जहां दो फीसदी से अधिक टूट गए, वहीं पांच शेयरों ने महज चार कारोबारी दिनों में 27 से 45 फीसदी तक की तेजी दर्ज की. ओरिएंट ट्रेडलिंक इस सूची में सबसे आगे रहा, जबकि आशापुरी गोल्ड ऑनॉर्मेंट और एनएमएस ग्लोबल ने भी शानदार बढ़त हासिल की. बीते सप्ताह बीएसई

का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,605.44 अंक यानी 2.15 फीसदी गिरकर 73,123.83 पर बंद हुआ. एनएसई का निफ्टी भी 546.15 अंक यानी 2.36 फीसदी टूटकर 22,600 पर आ गया. दशहरे के अवसर पर मंगलवार को कारोबार बंद रहने के कारण सप्ताह में केवल चार कारोबारी सत्र हुए. इसके बावजूद चुनिंदा शेयरों में जोरदार तेजी देखने को मिली. ओरिएंट ट्रेडलिंक का शेयर सप्ताह के दौरान 3.30 रुपये से बढ़कर 4.80 रुपये पर पहुंच गया. इस तरह इसमें 45.45 फीसदी की तेजी दर्ज की गई. शुक्रवार को शेयर 9.59 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ. कंपनी का बाजार पूंजीकरण 18.57 करोड़ रुपये रहा. आशापुरी गोल्ड ऑनॉर्मेंट का शेयर 4.71 रुपये से बढ़कर 6.71 रुपये पर पहुंच गया.

कोलकाता-हावड़ा में अकेले लड़ेगी भाजपा सरकार

बंगाल निकाय चुनाव : गठबंधन पर सस्पेंस



कोलकाता, 25 अक्टूबर. पश्चिम बंगाल में कोलकाता और हावड़ा नगर निगम चुनावों को लेकर भाजपा ने अपनी रणनीति स्पष्ट करनी शुरू कर दी है. पार्टी नेता राहुल सिन्हा ने कहा कि भाजपा दोनों शहरों में स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ेगी और नगर निगम स्तर पर किसी अन्य दल के साथ उसका चुनावी गठबंधन नहीं है. हालांकि, केंद्रीय

मंत्री सुकांत मजूमदार ने एनसीपीआई के साथ संभावित तालमेल की संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं किया. वहीं, रा'य के मंत्री दिलीप घोष ने दावा किया कि इन चुनावों के नतीजे विधानसभा चुनावों की तरह भाजपा के पक्ष में एकतरफा हो सकते हैं. ऐसे में दोनों नगर निगमों के चुनाव से पहले गठबंधन और उम्मीदवारों के चयन को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है.

भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल दलों

भाजपा उम्मीदवारों के चयन में प्राथमिकता राहुल सिन्हा ने कहा कि पार्टी ने दोनों शहरों में चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है और टिकट के लिए बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के आवेदन मिलें हैं. उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों का चयन जीतने की संभावना और उनकी साफ-सुथरी सार्वजनिक छवि के आधार पर किया जाएगा.

के साथ भाजपा का लोकसभा और रा'यसभा स्तर पर चुनावी तालमेल है, लेकिन नगर निगम स्तर पर ऐसा कोई गठबंधन नहीं है. उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब एनसीपीआई के नेताओं की ओर से स्थानीय निकाय चुनावों में गठबंधन की मांग की जा रही है. एनसीपीआई एक छोटा राजनीतिक संगठन है, जो तुलसी कांग्रेस के 20 सांसदों के अलग होकर भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को समर्थन देने के बाद चर्चा में आया था.

अकाली दल से गठबंधन पर उलझनें बरकरार

एक माह में भाजपा हर स्तर पर लेगी फीडबैक, इसके बाद फैसला

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर. पंजाब के विधानसभा चुनावों को लेकर इस बार अपने लिए बेहतर संभावनाएं देख रही भाजपा की गठबंधन को लेकर उलझनें बरकरार हैं. कांग्रेस के कई बड़े नेताओं के भाजपा में आने के बाद पार्टी काफी उत्साहित भी है. इसके अलावा उसने इस बार सिख नेतृत्व को वरीयता पर रखा जिससे गठबंधन न होने पर भी वह मुकाबले को चुनौतीपूर्ण बना सकती है. पार्टी का एक बड़ा अकेले चुनाव लड़ने का पक्षधर है, जिससे भविष्य के लिए पार्टी रा'य में अपने को सभी क्षेत्रों व सभी



वर्गों में स्थापित कर सके. अगले एक माह में भाजपा रा'य में व्यापक फीडबैक हासिल करेगी और उसके बाद फैसला करेगी. पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के साथ व विपक्षी कांग्रेस मुख्य मुकाबले में है.

रा'य में सिखों की बड़ी ताकत रही और कई बार सत्ता में रहा शिरोमणि अकाली दल ने भी अपनी वापसी के लिए काफी तैयारी की हुई है. इनके बीच में भाजपा ने बीते सालों में नई रणनीति से अपने परंपरागत समर्थक शहरी व हिंदू समुदाय के साथ सिख समुदाय पर काफी जोर दिया है. पार्टी की केंद्रीय राजनीति में सिख नेताओं को काफी अहमियत दी गई है. इस बीच कांग्रेस से भी पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, रवनीत सिंह बिंदू, केवल सिंह ढिल्लो, सुनील जाखड़ जैसे प्रमुख नेता उसके साथ जुड़े हैं. जाखड़ उसके प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और ढिल्लो मौजूदा अध्यक्ष हैं.